Title: Regarding non-payment of the Rs. One Lakh cheque granted to the Kargil War Martyr''s wife Smt. Paramjit Kaur of Ludhiana.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं। हम सबको कारगिल युद्ध में जो विजय प्राप्त हुई है, हम सबको उस पर फख्र है और सत्तारूढ़ दल को ज्यादा फख्र होना चाहिए क्योंकि इसके माध्यम से ही वह सता में आ सके हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि कारगिल शहीदों की विधवाओं और उन पर निर्भर लोगों की तरफ आज भी सरकार का ध्यान नहीं है। उचित समन्वय नहीं होने की वजह से उनको दुखों का सामना करना पड़ता है। जिन लोगों ने कारगिल युद्ध के लिए अपनी तरफ से अंशदान दिया, उन लोगों का हिसाब ठीक से नहीं रखा जाता, उन्हें रसीदें नहीं मिलतीं और जो लोग शहीद हुए हैं, उन लोगों की विधवाओं को रकम अनाउंस हुई लेकिन उन्हें वह रकम नहीं मिली। मैं सदन के सामने ऐसा ही मामला लाना चाहता हूं जिसका प्रेस में भी बड़े ज़ोरों से ज़िक्र आया है। ७वीं सिख लाइट इनफैण्ट्री के जवान अजमेर सिंह जो कारगिल में शहीद हुए, उनकी विधवा को एक लाख रुपये का चेक का भुगतान रोक दिया गया है। एक जवान की विधवा श्रीमती परमजीत कौर जो लुधियाना के धलकूट गांव की है, नई दिल्ली में ११ जुलाई को राष्ट्रीय स्वाभिमान के तत्वावधान में एक विशेष समारोह में इंद्रप्रस्थ स्टेडियम में चेक दिया गया था, लेकिन जब चैक भुनाने गए तो उन्हें वह पैसे नहीं मिले। विंग कमाण्डर एम.एस.रंधावा, डिप्टी डायरेक्टर सैनिक कल्याण बोर्ड ने बताया कि परमजीत कौर ने सेना संगठन को इस संबंध में कई पत्र लिखे लेकिन दुर्भाग्य से उसका एक भी जवाब नहीं आया।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : This matter should be replied to by the Defence Minister by tomorrow itself on the floor of the House. An allegation has been levelled. The complaint has to be replied to by the Defence Minister by tomorrow itself. It is a serious allegation...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Vilas Muttemwar, please complete it now.

SHRI S. BANGARAPPA : Sir, you said just now that you cannot compel the Government.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bangarappa, he is stating his case.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, अगर यही स्थिति रही तो देश के लिए जिन लोगों ने जान न्यौछावर की, उन लोगों के साथ हमारा दृष्टिकोण जिस तरह से चल रहा है, वह ठीक नहीं है। यह जो दो मामले मैं आपके सामने लाया, ऐसे कई मामलों की शिकायतें कई राज्यों से आ रही हैं। युद्ध हो गया, लोग शहीद हुए, नया राज आ गया लेकिन जिन लोगों ने इतनी बड़ी कुर्बानी की, उन लोगों पर जो निर्भर थे, उनके साथ ठीक से बर्ताव होना चाहिए। जिस तरह का मॉनीटरिंग कार्य हो रहा है, वह उचित तरीके से नहीं हो रहा है। मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि इसकी ठीक से मॉनीटरिंग हो, इसके लिए कोई कमेटी बैठाएं और ऐसी घटनाओं को वह कमेटी देखे।

श्री राधा मोहन सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार की राजनीति में जिस तरह से अपराधियों के राजनीतिकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है, वह आज खतरनाक हद तक पहुंच गई है।

उपाध्यक्ष महोदय : यह स्टेट सब्जेक्ट है। मैंने प्रकाश जी को भी इसलिए बोलने का मौका नहीं दिया था। मैं इस पर अलाऊ नहीं करूंगा।

श्री राधा मोहन सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिहार की बिगड़ती हुई कानून और व्यवस्था के बारे में बोलना चाहता हूं। बिहार में सौ से ज्यादा राजनीतिक हत्याएं हो चुकी हैं

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Any matter relating to State subject cannot go on record. I will not allow you. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Law and order is a State subject. I will not allow you. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: I did not allow Shri Ravi Prakash Verma because he also wanted to raise a matter relating to law and order situation in Uttar Pradesh. Now, this is a matter relating to law and order situation in Bihar. I am not allowing you. Please take your seat. Shri Dilip Gandhi.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Dilip Gandhi says.

(Interruptions)*

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please cooperate with the Chair.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Do not interrupt like this. Please resume your seat.

... (Interruptions)